IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 4, June 2026
Impact Factor: 8.2

बी. एड. स्तर पर अध्यनरत कला वर्ग के विद्यार्थियों के अध्ययन आदतों का अध्ययन

सर्वेश कुमार यादव एवं डॉ. श्रीमती लाजो पाण्डेय
शोधार्थी, रणवीर रणञ्जय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी, उ. प्र.
शोध निर्देशिका, रणवीर रणञ्जय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी, उ. प्र.
yadavsarveshkumar274@gmail.com

सांराश

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य बी. एड. स्तर के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का अध्ययन कर पता लगाना है। प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों के विश्लेषण के आधार पर महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष निकाले गये। इससे यह तथ्य प्रकाशित हुआ कि सहायता प्राप्त बी. एड. के महाविद्यालयों के विद्यार्थियों में छात्रों की अध्ययन आदतों की अपेक्षा छात्राओं की अध्ययन आदतें अच्छी थी। वहीं निजी महाविद्यालयों के बी. एड. विद्यार्थियों में छात्राओं की अध्ययन आदतें छात्रों की अपेक्षा अधिक थी। वहीं सहायता प्राप्त बी. एड. स्तर के महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं की अध्ययन आदतें निजी बी. एड. महाविद्यालयों की छात्र छात्राओं की अपेक्षा अच्छी थी। सहायता प्राप्त बी. एड. महाविद्यालयों व निजी महाविद्यालयों का समग्र तुलनात्मक अध्ययन करने पर यह पाया कि उच्च उपलब्धि एवं निम्न उपलब्धि सहायता प्राप्त महाविद्यालयों व निजी महाविद्यालयों में छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों में सार्थक अन्तर हैं। साथ ही उच्च उपलब्धि प्राप्त सहायता प्राप्त महाविद्यालयों की छात्र–छात्राओं में सार्थक अन्तर पाया गया। निम्न उपलब्धि वाले सहायता प्राप्त महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। साथ ही उच्च उपलब्धि प्राप्त वाले महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों में सार्थक अन्तर पाया गया। इस अध्ययन में परिणामों में यह ज्ञात हुआ कि वास्तव में अध्ययन आदतों के द्वारा शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ सकता है। अर्थात् अध्ययन संबंधी आदतों में सुधार करने पर छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में श्रेष्ठतर स्तर प्राप्त किया जा सकता है। प्रस्तुत अध्ययन के कुछ निष्कर्ष छात्र–छात्राओं की उत्तम अध्ययन संबंधी आदतों एवं महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डालते है जो माता–पिता अध्यापकों व स्वयं छात्र–छात्राओं के लिये उपयोगी हो सकते हैं। शोधार्थी इस आशा के साथ इस अध्ययन का उपसंहार करता है कि यह अध्ययन सामान्य रूप में शिक्षा तथा विशेष रूप से बी. एड. स्तर के छात्र–छात्राओं के शैक्षिक उन्नयन में अपना योगदान सिद्ध करेगा।

मुख्य शब्द : बी. एड., कला वर्ग, अध्ययन आदत।

प्रस्तावना

वर्तमान समय की प्रमुख आवश्यकताएँ देश का प्रत्येक बालक व युवा सम्पूर्ण शिक्षा ऊर्जा व चेतना का उपयोग सकारात्मक कार्यो में लगाये इसके लिये यह आवश्यक है कि इस बात की जानकारी हो कि बालकों की अध्ययन की आदतें कैसी है। यह पूर्णत मनोवैज्ञानिक सत्य है कि प्रत्येक व्यक्ति दूसरों से भिन्न होता है। महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में भी व्यक्तिगत

ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 4, June 2026
Impact Factor: 8.2

भिन्नता पाई जाती है। उनकी अध्ययन संबंधी आदतों में विषमता होती है। यदि इस व्यक्तिगत भिन्नताओं को नजर अंदाज कर दिया जायें तो उनके विकास में समस्या होगी।

छात्र–छात्राओं में अच्छी आदतें उनके प्रारंभिक काल में ही विकसित की जा सकती हैं। जिस प्रकार छोटे पौधे को आसानी से सीधा किया जा सकता है पर बड़ा वृक्ष बनने पर सीधा करना कठिन हो जाता है, उसी प्रकार बच्चों में अच्छी आदतों का विकास उसके जीवन के आरंभिक काल में ही सम्भव है। एक बार आदतें बन जाने पर उनमें परिवर्तन लाना बहुत कठिन होता है। शिक्षा के माध्यम से बच्चों में नैतिकता के विकास के साथ–साथ अध्ययन आदतों का विकास भी किया जा सकता है। इस कार्य में शिक्षकों, अभिभावकों तथा समाज का योगदान अति महत्वपूर्ण होता है।

अतः एक अध्यापक के लिये अपने विद्यार्थियों की अध्ययन संबंधी आदतों से परिचित होना आवश्यक है ताकि वह उसके अनुरूप विषय वस्तु, कालांश का समय व शिक्षण विधियां निर्धारित कर सकें इसके साथ ही विद्यार्थियों को उचित शैक्षिक व व्यवसायिक निर्देशन दे सके। शिक्षा जगत में इस वैज्ञानिक चरों की महत्ता देखते हुये शोधार्थी ने इस समस्या का चयन किया।

संबंधित साहित्य का अवलोकन

संबंधित साहित्य का अवलोकन निम्न है–

शेखर शीतांशु (2022) ष्अध्ययन आदतों व शैक्षिक उपलब्धि पर टेलीविजन अवलोकन के प्रभाव का अध्ययनष प्रस्तुत अध्ययन में पटना जिले के सरकारी विद्यालयों को लिया गया है। शोध के निष्कर्ष में पाया गया कि छात्र–छात्राओं द्वारा देखे जाने वाले टेलीविजन कार्यक्रम में समय का निवेश समान होता है। टेलीविजन कार्यक्रम का माध्यमिक स्तरीय विद्यार्थियों के अध्ययन आदत पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।

मंजू (2020) ष्मोबाईल अधिगम का बी.एड प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों एवं अभिवृत्ति पर प्रभाव का अध्ययनष प्रस्तुत शोध अध्ययन में राजस्थान राज्य के शेखावाटी अचल के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों को न्यादर्श के रूप में लिया गया है। निष्कर्ष में पाया कि मोबाईल अधिगम बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में बहुत कम पाया गया इसलिए भावी शिक्षकों को सूचना प्रौद्योगिकी में अद्यतन करने हेतु मोबाईल अधिगम जैसे महत्वपूर्ण आयाम से परिचित एवं प्रशिक्षित करना होगा जो वर्तमान समय की मांग है।

कुमार श्रवण (2018) ष्इलाहाबाद मण्डल के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में आत्म–सम्प्रत्यय, सृजनात्मकता, अध्ययन आदतों का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययनष प्रस्तुत शोध अध्ययन में न्यादर्श के रूप में इलाहाबाद मण्डल के कक्षा 11 के उन विद्यार्थियों का चयन किया गया। जहाँ सह शिक्षा का प्रावधान था। निष्कर्ष में पाया गया कि शहरी क्षेत्र के बच्चों का आत्मसम्प्रत्यय ग्रामीण बच्चों से अधिक पाया गया। इसी प्रकार दोनों के सृजनात्मकता में समानता पाई गई। शहरी विद्यार्थीों की अध्ययन आदत ग्रामीण विद्यार्थियों से अधिक पाई गई

चौधरी इन्दिरा सिरोही (2015) ष्छात्रावास एवं परिवार में रहने वाली छात्राओं के समायोजन, अध्ययन आदत एवं बालिका अभिभावक सम्बन्ध का अध्ययनष प्रस्तुत शोध अध्ययन में जयपुर शहर में संचालित केन्द्रीय माध्यमिक आवासीय बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत 11वीं कक्षा की छात्राओं का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया। शोध के निष्कर्ष में पाया गया कि छात्रावास एवं परिवार में रहने वाली छात्राओं के समायोजन के स्तर में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। छात्रावास एव परिवार में रहने वाली छात्राओं की अध्ययन आदतों में अन्तर पाया

DOI: 10.48175/IJARSCT-36594

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 4, June 2026
Impact Factor: 8.2

सोनपिपरे छाया (2013) षकिशोर बालकों के चिन्ता एवं अध्ययन आदत का उनकी विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययनष प्रस्तुत शोध अध्ययन में दुर्ग जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का चयन किया गया। शोध के निष्कर्ष में पाया गया कि किशोरों के विज्ञान विषय की शैक्षिक उपलब्धि पर चिन्ता का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। उच्च एवं निम्न चिंता वाले किशोरों के विज्ञान विषय की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। किशोरों के विज्ञान विषय की शैक्षिक उपलब्धि पर अध्ययन आदत के आयाम भाषा का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

सिंह रणविजय (2009) षमाध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की सृजनशीलता, समायोजन क्षमता तथा अध्ययन आदत का शैक्षिक निष्पति से सम्बन्धष प्रस्तुत शोध में न्यादर्श के रूप में जौनपुर जनपद के कक्षा 11 के विद्यार्थियों का चयन किया गया। शोध के निष्कर्ष के रूप में पाया गया कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सृजनशीलता तथा अध्ययन आदत के बीच सार्थक धनात्मक सहः सम्बन्ध पाया गया।

त्रिपाठी नीलम (2007) ने षस्नातक स्तर के विद्यार्थियों की अध्ययन–आदत और शैक्षिक उपलब्धि के बीच अध्ययनष करते हुए पाया कि उच्च तथा निम्न अध्ययन–आदत वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के बीच सार्थक अन्तर होता है।

मौर्य राकेश कुमार (2000) ने षमाध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों के अध्ययन–आदतों एवं उनकी शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययनष किया जिससे निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि अध्ययन–आदत और शैक्षिक उपलब्धि के बीच कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं होता।

समस्या कथन

शोधकर्ता ने अपनी समस्या को निम्नलिखित रूप में कथन में व्यक्त किया हैः–

'' बी. एड. स्तर पर अध्यनरत कला वर्ग के विद्यार्थियों के अध्ययन आदतों का अध्ययन''

समस्या के उद्देश्य

शोधकर्ता ने समस्या कथन के अनुसार निम्न उद्देश्य निर्धारित किये गये :–

1. सहायता प्राप्त बी.एड महाविद्यालयों के बी.एड. विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का पता लगाना।
2. निजी बी. एड महाविद्यालयों के बी.एड. विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का पता लगाना।
3. सहायता प्राप्त बी.एड महाविद्यालयों व निजी बी.एड. महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों की तुलना करना।

शोध परिकल्पना

प्रस्तुत शोध में समस्या का हल खोजनें के लिये शोधकर्ता ने शून्य परिकल्पना निर्धारण किया :–

सहायता प्राप्त बी. एड. महाविद्यालयों व निजी बी. एड महाविद्यालयों के बी. एड. के छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों में सार्थक अन्तर नहीं है।

समस्या का परिसीमन

1. प्रस्तुत शोध में अध्ययन का क्षेत्र लखनऊ शहर तक सीमित रखा गया।,
2. सहायता प्राप्त बी. एड. महाविद्यालयों व निजी बी. एड महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं को अध्ययन में शामिल किया गया।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 4, June 2026
Impact Factor: 8.2

न्यादर्श

प्रतिदर्श जनसंख्या का वह छोटा भाग है जिसको शोधकर्त्ता के द्वारा अपने अध्ययन के लिये चुना जाता है। यह जनसंख्या का सूक्ष्म रूप होता है जिससे सूचनाओं को प्राप्त कर सामान्यीकरण करके जनसंख्या के बारे में अनुमान लगाया जाता है। प्रस्तुत अध्ययन में अनुसंधानकर्त्ता द्वारा लखनऊ जिले के दो सहायता प्राप्त बी. एड. महाविद्यालयों से 50 व दो निजी बी. एड महाविद्यालयों से 50 छात्र–छात्राओं का का तथा कुल 100 छात्र–छात्राओं चयन यादृच्छिक विधि द्वारा आंकड़ो को प्राप्त करनें के लिए चयन किया गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त शोध विधि

शोधार्थी द्वारा अध्ययन हेतु जो भी विधि प्रयुक्त करने के लिये चयनित की जाती है वह अध्ययन के लिये पूर्णतः उपयुक्त होनी आवश्यक है, तथा उक्त विधि के सम्बन्ध में उपयुक्त जानकारी भी आवश्यक है ताकि शोधार्थी को अपेक्षित एवं उचित परिणाम प्राप्त हो सकें। अनुसंधान की प्रकृति कों देखते हुये शोध हेतु शोधार्थी ने सर्वेक्षण विधि का चयन किया।

शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध हेतु अध्ययन आदत को मापने के लिए 'एम० मुखोपाध्याय एवं डी०एन० सनसनवाल द्वारा निर्मित अध्ययन आदत अनुसूची का प्रयोग किया गया है। इस अनुसूची में 52 कथन है। ''मानकीकृत उपकरण को प्रयोग में लिया गया है।

प्रदत्त संकलन

सहायता प्राप्त बी. एड. महाविद्यालयों व निजी बी. एड महाविद्यालयों की छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन, प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी द्वारा निर्मित उद्देश्य सहायता प्राप्त बी. एड महाविद्यालयों व निजी बी. एड महाविद्यालयों के बी. एड. छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का पता लगाने का अध्ययन निर्धारित किया गया इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु शोधार्थी द्वारा छात्र– छात्राओं से प्रदत्त प्राप्त कर किया गया, जिनका विवरण सारणी व आरेख द्वारा प्रदर्शित किया गया।

क0 स0	महाविद्यालय	छात्र	छात्राएं	योग
1	सहायता प्राप्त महाविद्यालय	25	25	50
2	निजी महाविद्यालय	25	25	50
	कुल योग	50	50	100

तालिका–1 प्रदत्तों के विवरण

प्रयुक्त परीक्षण 9 प्रकार के अध्ययन के व्यवहार का मापन करता है जो निम्नलिखित है–

1) समझने की योग्यता	2) एकाग्रता	3) कार्य प्रतिस्थापन
4) सैट्स	5) अर्न्तक्रिया	6) अभ्यास
7) सहारा देना	8) नोट करना	9) भाषा

DOI: 10.48175/IJARSCT-36594

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 4, June 2026
Impact Factor: 8.2

तालिका– 2 अध्ययन के व्यवहार

सहायता प्राप्त बी. एड महाविद्यालयों विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें

व्यवहार	समझने की योग्यता	एकाग्रता	कार्य प्रतिस्थापन	सैट्स	अन्तंक्रिया	अभ्यास	सहारा देना	नोट करना	भाषा
प्रतिशत	18.5	15.2	11.2	7.3	14.1	9.5	3.4	8.1	12.7

तालिका– 3 अध्ययन के व्यवहारों का प्रतिशत

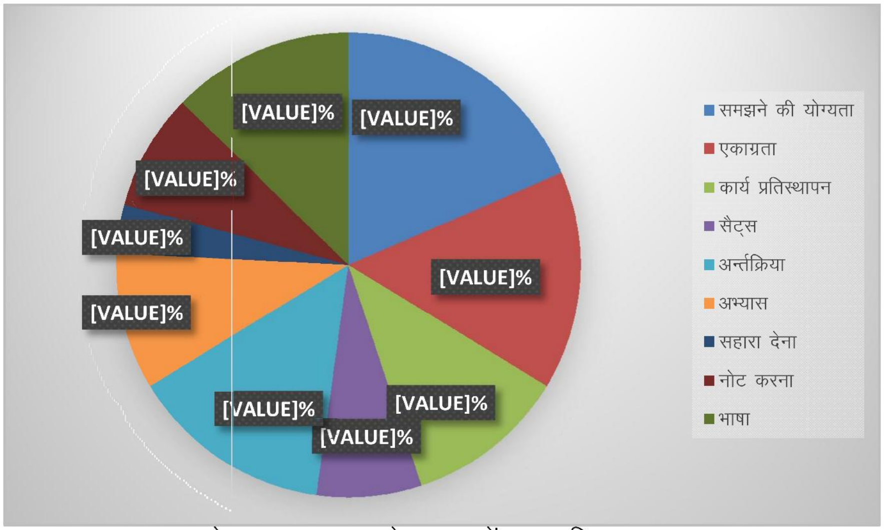

आरेख–1 अध्ययन के व्यवहारों का प्रतिशत

निजी बी. एड. महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें

व्यवहार	समझने की योग्यता	एकाग्रता	कार्य प्रतिस्थापन	सैट्स	अन्तंक्रिया	अभ्यास	सहारा देना	नोट करना	भाषा
प्रतिशत	15.7	14.8	9.7	6.3	11.5	7.8	4.2	12.12	16.8

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 4, June 2026
Impact Factor: 8.2

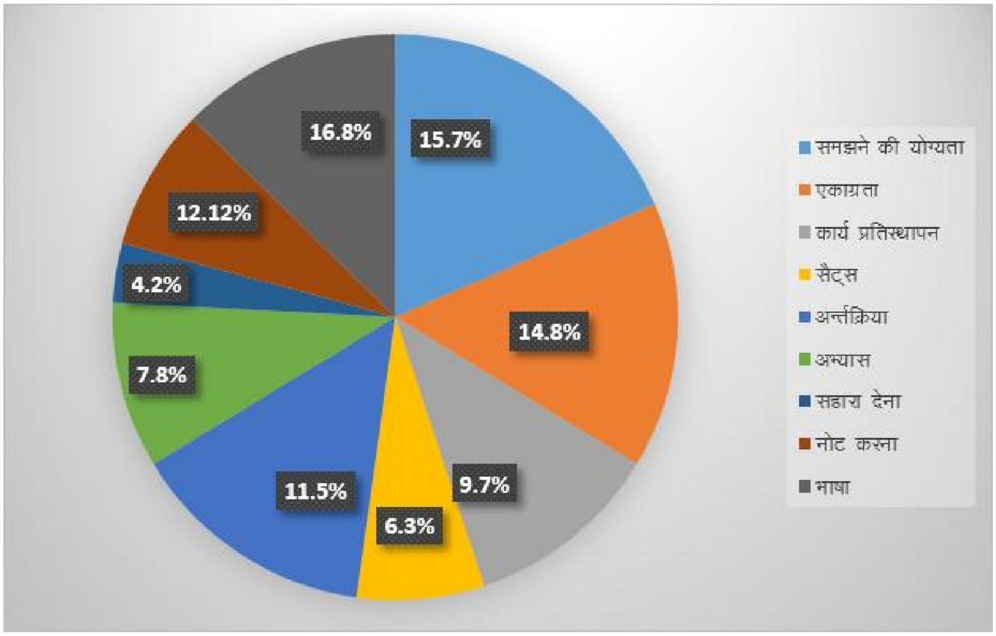

आरेख–2 अध्ययन के व्यवहारों का प्रतिशत

सहायता प्राप्त बी.एड महाविद्यालयों व निजी बी.एड. महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन

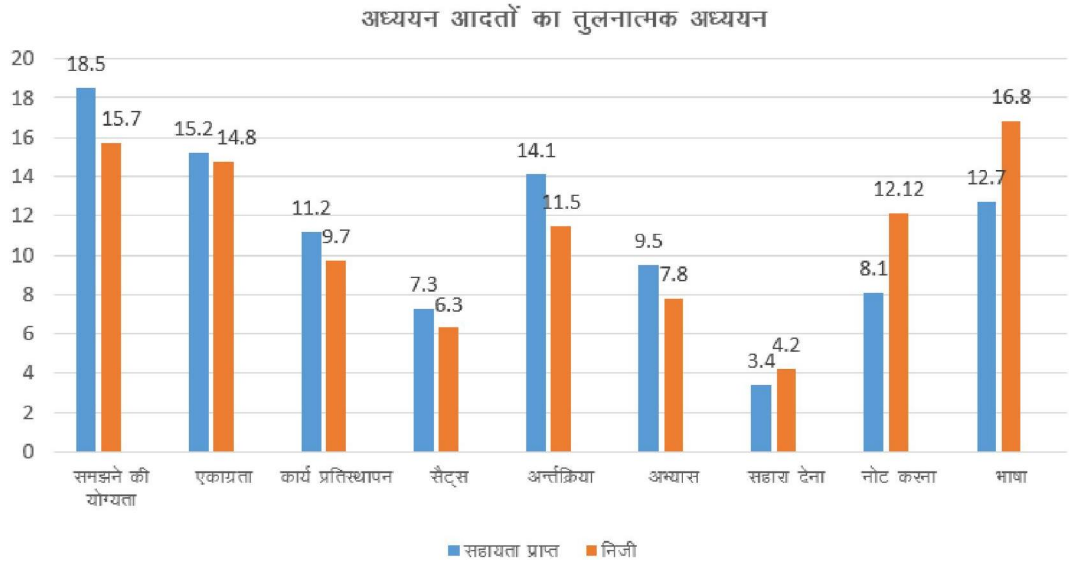

आरेख–3 अध्ययन के व्यवहारों का तुलनात्मक अध्ययन के प्रतिशत

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 6, Issue 4, June 2026 Impact Factor: 8.2

व्याख्या एवं निष्कर्ष

सारणी व आरेख संख्या से स्पष्ट होता है कि सहायता प्राप्त बी.एड महाविद्यालयों की समझने की योग्यता 18ण्5 जबकि निजी बी. एड. महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की समझने की योग्यता 15ण्7 है अर्थात सहायता प्राप्त बी.एड महाविद्यालयों की समझने की योग्यता, निजी बी.एड. महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की समझने की योग्यता से 2ण्8ः अधिक है। इसी प्रकार सहायता प्राप्त बी.एड महाविद्यालयों की एकाग्रता 15ण्2ः, कार्य प्रतिस्थापन11ण्2ः, सैट्स, 7ण्3ः अन्र्तक्रिया 14ण्1ः एवं अभ्यास 9ण्5ः है। जबकि निजी बी. एड. महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की एकाग्रता 14ण्8ःए कार्य प्रतिस्थापन 9ण्7ः, सैट्स 6ण्3ः, अन्र्तक्रिया 11ण्5ः एवं अभ्यास 7ण्8ः है, जो कि सहायता प्राप्त बी.एड महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की अपेक्षा कम है।

दूसरी ओर सहायता प्राप्त बी.एड महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की सहारा देना 3ण्4ःए नोट करना 8ण्1ःए भाषा 12ण्7ः है, इसी प्रकार निजी बी.एड. महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की सहारा देना 4ण्2ःए नोट करना 12ण्12ःए भाषा 16ण्8ः है, जो कि सहायता प्राप्त बी.एड महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक है।

अतः परिकल्पना में ‘‘सहायता प्राप्त बी. एड. महाविद्यालयों व निजी बी. एड महाविद्यालयों के बी.एड. के छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों में सार्थक अन्तर नहीं है।’’ अतः यह दोनों स्तर पर अस्वीकृत की जाती है।

सहायता प्राप्त बी.एड महाविद्यालयों व निजी बी.एड. महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की प्राप्त अध्ययन आदतों के मान में अंतर है। यह क्योंकि निजी बी.एड. महाविद्यालयों के विद्यार्थी सहायता प्राप्त बी.एड. महाविद्यालयों की अपेक्षा अध्ययन के प्रति कम रूचि दिखाते है अतः सहायता प्राप्त बी.एड महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का प्रतिशत अधिक पाया गया।

सुझाव

शोधार्थी द्वारा विद्यार्थियों में उचित अध्ययन आदतें विकसित करने के सुझाव निम्नलिखित हैः–

1) विद्यार्थियों को निश्चित समयबद्ध योजना बनाकर पढ़ाई करनी चाहिए।
2) अध्ययन एक निश्चित शांत एवं उपयुक्त रोशनी वाले स्थान पर करना चाहिए।
3) एक समय में एक विषय को एकाग्रचित होकर पढ़ना चाहिए।
4) अध्ययन के लिये विद्यार्थियों को समय का प्रबंधन करना आवश्यक है।
5) विद्यार्थी अपनी अध्ययन आदत को नियमित रखे।

सन्दर्भ–ग्रन्थ सूची

1. कपिल, एच.के. (2004), अनुसंधान विधियाँ (व्यवहारपरक विज्ञानों में), लखनऊ, इण्डियाः वेदांत प्रकाशन।
2. अंशु, मगंल. (2008), शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ, समंक विश्लेषण एवं शैक्षिक सांख्यिकी, आगरा, इण्डियाः विनादे पुस्तक मंदिर।
3. कुमार, सुभाष (2009), ‘‘उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों की अधिगम की समस्याओं में शैक्षिक अभिप्रेरणा का उनकी अध्ययन आदत, समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि के सम्बंध में अध्ययन। पी–एचण्डीण थीसिस, चाधैरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
4. हसन, डी. एण्ड अप्पाराव, ए.वी. (2012), विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, साामाजिक आर्थिक स्तर तथा पढ़ाई की आदतों में सम्बन्ध, जर्नल ऑफ रिसर्च एण्ड एक्सटशेंन इन एजूकशेन, 1, 60–67।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 4, June 2026
Impact Factor: 8.2

5. ज्ञान प्रकाश (2011), ''माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली, आकांक्षा स्तर एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।'